शनिवार

21 फरवरी 2026

● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 29
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

नेम प्लेट उखाड़ी, कुर्सियाँ फेंकीं

●शिक्षा विभाग में दबंगई का नंगा नाच

हमारे संवाददाता

देहरादून। शिक्षा निदेशालय में आज उस समय हड़कंप मच गया जब भाजपा विधायक की मौजूदगी में प्रारंभिक शिक्षा निदेशक अजय नौडियाल के साथ कथित मारपीट की घटना सामने आई। इस मामले ने अब तूल पकड़ लिया है और प्रशासनिक गलियारों में हलचल तेज हो गई है। निदेशक स्तर के अधिकारी के साथ हुई इस घटना के बाद कर्मचारियों में भारी रोष देखा जा रहा है।

घटना के बाद अजय नौडियाल को कोरोनेशन अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार आज शिक्षा निदेशालय में किसी प्रशासनिक मुद्दे को लेकर विवाद बढ़ गया।

आरोप है कि बहस के दौरान स्थिति बिगड़ गई और बात हाथापाई तक पहुंच गई। निदेशक अजय नौडियाल ने सीधे विधायक पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

वहीं कर्मचारियों का कहना है कि विधायक के समर्थकों ने निदेशक के साथ दुर्व्यवहार और मारपीट की। हालांकि, अभी तक पुलिस या प्रशासन की ओर से विस्तृत आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

वहीं घटना के विरोध में शिक्षा निदेशालय के कर्मचारियों ने हड़ताल का आह्वान किया है। कर्मचारियों का कहना है कि अगर डायरेक्टर से किसी को परेशानी थी तो प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई की जा सकती थी, मारपीट करना पूरी तरह गलत है। कर्मचारियों ने विधायक और उनके समर्थकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। मांगें पूरी नहीं होने पर प्रदेशव्यापी आंदोलन की चेतावनी दी गई है।

पुलिस मामले की जांच में जुटी है। कर्मचारियों की बैठक के बाद हड़ताल की औपचारिक घोषणा हो सकती है। यह मामला अब प्रशासनिक और राजनीतिक दोनों स्तरों पर गंभीर रूप लेता दिखाई दे रहा है।

नहर में गिरी कार में मिले दो युवकों के शव

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नहर में गिरी कार में दो शवों के मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है। परिजनों द्वारा दोनो मृतकों की शिनाख्त कर ली गयी है।

जानकारी के अनुसार मंगलौर मोड़ स्थित राणा स्टील फैक्ट्री के पास नहर पटरी किनारे आज सुबह एक सफेद रंग की कार क्षतिग्रस्त अवस्था में पड़ी मिली कार का आधा हिस्सा नहर में डूबा था और आधा बाहर झाड़ियों में था। जिसमें दो युवक मृत पाए गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर सरकारी अस्पताल की मोर्चरी भिजवाया। बताया जा रहा है कि आज सुबह करीब 7:45 बजे चेतक मोबाइल के कांस्टेबल दिनेश चौहान को स्थानीय लोगों द्वारा सूचना दी गई कि नहर किनारे एक कार दुर्घटनाग्रस्त हालत में पड़ी है और उसमें दो व्यक्ति मृत अवस्था में हैं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे मे लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी गयी है। कुछ ही देर बाद मृतकों के परिजन अस्पताल पहुंचे। रूबी पत्नी सचिन धीमान निवासी गणेशपुर रुड़की ने एक मृतक की पहचान अपने पति सचिन धीमान (38 वर्ष) पुत्र सुरेंद्र धीमान के रूप में की। वहीं विकास त्यागी पुत्र ब्रजभूषण त्यागी निवासी गली नंबर 10, राजेंद्र नगर रुड़की ने दूसरे मृतक की पहचान अपने भाई अमन त्यागी (35 वर्ष) के रूप में की है। बहरहाल पुलिस अब घटना के कारणों की जांच में जुट गयी है।

दून वैली मेल

संपादकीय

किसी को नहीं चाहिए पहाड़ों में राजधानी?

उत्तराखंड राज्य गठन को 25 साल का समय बीत चुका है। इस राज्य के पहाड़ वासियों की मन: इच्छा भले ही राज्य गठन से यह रही हो कि पहाड़ की राजधानी पहाड़ में ही हो लेकिन राज्य के नेता और अधिकारियों से अगर उनकी अंतरात्मा की बात पूछी जाए तो उन्होंने कभी भी मन से यह चाहा ही नहीं है कि पहाड़ की राजधानी पहाड़ में ही होनी चाहिए। राज्य गठन के एक दशक तक उनके द्वारा इस मुद्दे की तरफ कभी आम आदमी का ध्यान जाने ही नहीं दिया गया इसके बाद आधा दशक का समय सिर्फ राजधानी के लिए उपयुक्त स्थान का चयन करने की आड़ में गुजार दिया। आयोग बने प्रयोग भी हुए तथा जनता ने आवाज भी उठाई लेकिन नतीजा शून्य ही रहा और जब नेताओं को लगने लगा की राजधानी गैरसरण के मुद्दे पर कुछ लोगों की जन अपेक्षाएं उस हद तक जुड़ी है तो वह सरकार बनाने में सहायक हो सकती है। नेताओं ने भराड़ीसैंण में भूमि के चयन के साथ विधान भवन के भूमि पूजन की प्रक्रिया से लेकर यहां सत्र के आयोजनों का आडंबर भी शुरू कर दिया गया। जो अभी तक निरंतर जारी है हम इसे आडंबर इसलिए कह रहे हैं क्योंकि भराड़ीसैंण में टेंट लगाकर विधानसभा का पहला सत्र आहूत किए जाने से लेकर अब तक कोई एक भी सत्र तय समय अवधि तक नहीं चलाया जा सका है। भले ही इस बीच भाजपा ने भराड़ीसैंण को राज्य की ग्रीष्मकालीन राजधानी घोषित कर दिया गया हो अथवा कांग्रेस ने अपने समय में नियमित रूप से बजट सत्र का आयोजन यहां कराने का प्रस्ताव पारित कराया हो लेकिन इस हकीकत को हम सभी जानते हैं कि दो-चार दिन का यहां सत्र आयोजित कराना सरकार और नेताओं को ही नहीं अपितु राज्य के अधिकारियों को भी किसी सजा से कम नहीं लगता है वह पूरी तैयारी के साथ देहरादून से ऐसे रवाना होते हैं जैसे कहीं पिकनिक पर जा रहे हो। तथा अपनी हाजिरी लगाकर या तो सत्र के समापन से पूर्व ही भाग आते हैं या फिर बिजनेस न होने की आड़ में चार दिन का सत्र दो या तीन दिन में ही समाप्त हो जाता है। सरकार को इस साल भी बजट सत्र यहां आयोजित कराना है। मगर सत्र से पूर्व ही भाजपा विधायक मनोज रावत ने भराड़ीसैंण सत्र और राजधानी के चयन पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं उनका कहना है कि स्थान का चयन ही गलत है यहां बहुत सर्दी होती है, बर्फबारी होती है, ऑक्सीजन की भी कमी है उनकी इस बयान बाजी पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष का कहना है कि अगर दिक्कतें हैं तो उन्हें दूर करने की जिम्मेदारी सरकार की है सरकार असमर्थ है,कांग्रेस इन दिक्कतों को दूर कर सकती है। विपक्ष के साथ-साथ अब भाजपा के विधायक भी भराड़ीसैंण के चयन को गलत बता रहे हैं वहीं दूसरी ओर सचिवालय संघ के द्वारा भी शासन को पत्र लिखकर मांग की गई है कि यहां कर्मचारियों को रहने खाने तक की भारी दिक्कतें होती है इसलिए कम से कम कर्मचारी सत्र के समय यहां भेजे जाए। इस तरह की जो मन: स्थिति नेताओं व अधिकारियों की है तो वह यह बताने के लिए पर्याप्त है कि भराड़ीसैण राजधानी हो यह कोई भी नहीं चाहता और पहाड़ की राजधानी पहाड़ में हो यह सिर्फ कहने भर की बात है।

युवा पंचायत प्रतिनिधियों ने लिया वनों को आग से बचाने का संकल्प

कार्यालय संवाददाता

नाचनी। पिथौरागढ़ वन प्रभाग द्वारा सैणराथी में शुक्रवार को आयोजित संगोष्ठी में बुजुर्गों ने कहा कि तीन दशक पहले जिस गधेरे में 14 घराट 12 महिनों चलते थे, आज वहां बरसात को छोड़कर पानी का एक भी बूंद नहीं दिखता। इस दर्द को बयां करते हुए कहते हैं कि आज वनों के प्रति लोगों में पुराना जैसा प्रेम नहीं रहा। उन्होंने कहा कि जंगलों को आग से बचने के साथ-साथ हमें जंगल को भी अपने परिवार का हिस्सा मानना होगा, तभी मानव का जीवन भी बचा रहेगा।

प्रभागीय वनाधिकारी आशुतोष सिंह के दिशा निर्देश में सोसायटी फॉर एक्सन इन हिमालया पिथौरागढ़ के सहयोग से वन पंचायत सैणराथी, मगर के साथ-साथ राजकीय इंटर कॉलेज सैणराथी में कैंपा योजना के तहत वनाअग्नि रोकथाम विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

सैणराथी में 75 वर्षीय चन्द्र सिंह ने कहा कि जंगलों से पहले हम बहुत प्यार करते थे। कहा कि नयी पीढ़ी तो जंगलों को नुकसान तो पहुंचाती है, लेकिन संरक्षण के लिए आगे नहीं आती। पूर्व सैनिक 80 वर्षीय त्रिलोक सिंह मेहता ने कहा कि तीन दशक पहले जिस गधेरे में 14 घराट चलते थे, उसमें आज पानी का एक बूंद भी नहीं है। कहा कि जंगल को आग से बचाने के लिए हम भी तैयार है।

किमखेत के ग्राम प्रधान प्रदीप सिंह मेहता की अध्यक्षता में आयोजित संगोष्ठी में क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रह्लाद राम ने कहा कि हमारे बुजुर्गों ने हमें जो जंगल सौपा है, उसे आग से बचाने के साथ हम उसके संरक्षण के लिए हमेशा यूथ तैयार रहेंगे।

सरपंच हरीश मेहता ने कहा कि वन पंचायत की टीम जंगल को आग से सुरक्षित रखने के लिए इस अभियान को घर घर तक पहुंचाने का कार्य भी करेगी। संस्था के अध्यक्ष जगत सिंह मर्तोलिया ने कहा कि जंगलों को आग से बचाने के लिए आमंत्रण नागरिको में चेतना जागृत करना इसका मुख्य उद्देश्य है।

राजकीय इंटर कॉलेज सैणराथी के विद्यार्थियों के साथ भी आग से होने वाले नुकसान के विषय पर बातचीत की गई। विद्यार्थियों का आवाह्न किया गया है कि वह घर-घर में जंगलों को आग से बचाने के लिए अपने परिवारजनों से लगातार बातचीत करे।

इससे पूर्व वन पंचायत मगर में सरपंच मनु सिंह राणा की अध्यक्षता में वनो को आग से बचाने के लिए गोष्ठी हुई। इन अवसरों पर बेड़ूमहर के ग्राम प्रधान त्रिभुवन सिंह मेहता, क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रेमा देवी, प्रेम सिंह, नारायण सिंह मेहरा आदि उपस्थित रहे।

स्कूटी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने शमशान के बाहर से स्कूटी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार कौलागढ प्रेमपुर माफी निवासी अतुल शर्मा ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह टपकेश्वर मंदिर के पास स्थित शमशान घाट पर गया था। उसने अपनी स्कूटी शमशान के बाहर खडी की थी। लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

महिला पुलिसकर्मी से अभद्रता करने पर स्कूटी सवार गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। महिला पुलिस कर्मी से अभद्रता करने पर पुलिस ने स्कूटी सवार को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार महिला हैडकांस्टेबल सन्तोषी ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह टपकेश्वर मंदिर के पास डयूटी पर थी। तभी उसने एक स्कूटी सवार को रूकने का इशारा किया तो उसने जबरदस्ती वाहन को उसके पैरों मे लाकर खडा कर दिया और स्कूटी पर हाथ रखने से रोकने का प्रयसा कर उसके साथ अभद्र व्यवहार करते हुए हाथापाई पर उतर गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम संदीप चंद पुत्र शमशेर चंद निवासी अनारवाला बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता स्व. अटल वाजपेयी को दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

रूद्रप्रयाग। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता स्व. अटल वाजपेयी के आवास पहुंचकर उनको श्रद्धांजलि दी।

आज यहांमुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुप्तकाशी (जनपद रुद्रप्रयाग) में वरिष्ठ भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता स्व. अटल वाजपेयी के आवास पहुँचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने शोकाकुल परिजनों से भेंट कर अपनी गहरी शोक संवेदनाएँ व्यक्त कीं। मुख्यमंत्री ने स्व. अटल वाजपेयी के संगठनात्मक योगदान एवं जनसेवा के प्रति उनके समर्पण को स्मरण करते हुए कहा कि उनका जीवन समाज और पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिवार को इस कठिन समय में धैर्य और संबल प्रदान करें।

पीआरडी जवानों का किया जाये नियमितीकरण: मन्द्रवाल

संवाददाता

देहरादून। प्रान्तीय रक्षक दल हित संगठन के प्रदेश संयोजक प्रमोद मन्द्रवाल ने कहा कि पीआरपीट जवानों का शीघ्र नियमितीकरण किया जाये।

आज यहां परेड ग्राउंड स्थित एक क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए मन्द्रवाल ने कहा कि प्रान्तीय रक्षक दल संगठन की स्थापना तत्कालीन उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संयुक्त प्रान्त सशस्त्र कांस्टेबुलरी अधिनियम 1948 के अन्तर्गत 11 दिसम्बर 1948 को की गयी थी। इसका उद्देश्य प्रदेश में सामुदायिक सद्भावना एवं शांति व्यवस्था बनाए रखना तथा नागरिकों को अनुशासित, आत्मनिर्भर एवं संगठित बनाना था। तब से लेकर आज तक पीआरडी के जवान एवं कार्मिक प्रदेश में शांति व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था एवं विभिन्न राजकीय एवं सामाजिक कार्यो के निर्वहन में निरन्तर महत्वपूर्ण भूमिका निभाते आ रहे हैं। उत्तराखण्ड राज्य गठन के पश्चात भी पीआरडी संगठन ने एक अनुशासित बल के रूप

में कठिन परिस्थितियों में राज्य हित में अपनी सेवाएं पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण भाव से प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि पीआरडी जवानों एवं कार्मिकों का चरणबद्ध नियमितीकरण किया जाये तथा पुलिस एवं होमगार्ड की भांति सम्मानजनक कार्य के अनुरूप सम्मानजनक वेतन एवं भत्ते प्रदान किये जाएं। उन्होंने कहा कि स्थायी सेवा नियमावली का निर्माण कर सेवा सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने मांग की है कि चिकित्सा सुविधा, पेंशन, बीमा, पदोन्नति एवं अन्य सुविधायें प्रदान की जाये। उन्होंने मांग की है कि पीआरडी संगठन को एक सशक्त एवं स्थायी बल के रूप में स्थापित करने हेतु आवश्यक शासनादेश शीघ्र जारी किया जाए। उन्होंने कहा कि पीआरडी संगठन के जवानों एवं कार्मिकों द्वारा समय-समय पर अपनी मूलभूत समस्याओं एवं अधिकारों के सम्बन्ध में शासन प्रशासन व विभाग को अवगत कराया जाता रहा है किन्तु आज तक उनके सुरक्षित भविष्य एवं नियमितीकरण के सम्बन्ध में कोई ठोस एवं स्थायी निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने मांग की है कि पीआरडी जवानों एवं कार्मिको के हित में यथाशीघ्र आवश्यक कार्यवाही की जाये।

केदारनाथ यात्रा की तैयारियों को लेकर प्रशासन ने कमर कसी

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम की यात्रा तैयारियों को लेकर प्रशासन ने कमर कस ली है। केदारनाथ पैदल मार्ग पर जमी बर्फ को हटाने का कार्य 15 मार्च से शुरू किया जाएगा। इन दिनों धाम में हल्की बर्फबारी का दौर जारी है, जिससे ऊपरी क्षेत्रों में ठंड बनी हुई है। इस वर्ष चारधाम यात्रा का शुभारंभ अप्रैल महीने में ही हो रही है। आमतौर पर केदारनाथ के कपाट मई के प्रथम सप्ताह में खुलते हैं, लेकिन इस बार कपाट 22 अप्रैल को श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे। यात्रा तिथि निकट होने के कारण प्रशासन को व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित करनी होंगी। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ड्रीम प्रोजेक्ट के तहत धाम में पुनर्निर्माण एवं सुंदरीकरण कार्य भी गतिमान हैं। ऐसे में श्रमिकों और निर्माण सामग्री की आवाजाही सुचारु करने के लिए पैदल मार्ग से बर्फ हटाना आवश्यक है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की लोनिवि शाखा के अधिशासी अभियंता राघवेंद्र सिंह ने बताया कि बड़ी लिनचोली से लेकर धाम तक लगभग पांच किमी पैदल मार्ग पर बर्फ जमी हुई है। कुछ जगहों पर बर्फ की मोटाई दो से तीन फीट तक है। हालांकि इस वर्ष धाम क्षेत्र में अपेक्षाकृत कम बर्फबारी हुई है, फिर भी मार्ग सुगम बनाने के लिए बर्फ हटाने का कार्य 15 मार्च से प्रारंभ किया जाएगा। बताया कि पहले चरण में पैदल मार्ग को साफ किया जाएगा। इसके बाद मजदूरों को धाम तक पहुंचाया जाएगा, तभी पुनर्निर्माण कार्यों को गति दी जाएगी। प्रशासन का लक्ष्य है कि यात्रा शुरू होने से पूर्व सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त कर ली जाएं।

नए सत्र में केंद्रीय विद्यालय को मिलेगा अपना भवन

नई टिहरी(आरएनएस)। केंद्रीय विद्यालय नई टिहरी को नए शिक्षा सत्र अप्रैल 2026 में अपना नया भवन मिल जाएगा। जी ब्लॉक आंचल डेयरी के समीप विद्यालय भवनों का निर्माण अंतिम चरण में पहुंच गया है। नया भवन बनने के बाद विद्यालय में अधिक छात्र-छात्राओं को प्रवेश लेने का अवसर मिलेगा। प्राथमिक स्तर पर बाल वाटिका भी संचालित होगा। शिक्षकों और कर्मचारियों को आवासीय सुविधा का लाभ मिलेगा। जिला मुख्यालय नई टिहरी में स्थित केंद्रीय विद्यालय वर्षो से उधार के भवन पर संचालित किया जा रहा था। पर्याप्त कक्षा-कक्ष न होने से अब तक विद्यालय में पढ़ रहे छात्रों को पूरी सुविधाएं नहीं मिल पा रही थी। स्थान की कमी से कम छात्रों को प्रवेश देने की मजबूरी बनी हुई थी। जी ब्लॉक आंचल डेयरी के समीप केंद्रीय विद्यालय का करीब 37 करोड़ की लागत से निर्माण किया जा रहा है। भवन निर्माण कार्य अब अंतिम चरण में है। नया भवन बनने से विद्यालय में हर क्लास में कंप्यूटर लगाएंगे जाएगे।बड़ी प्रयोगशाला बनाई जा रही है। वर्तमान में विद्यालय में लगभग छह सौ छात्र-छात्राएं अध्ययनरत है। नया भवन बनने के बाद लगभग दो सौ छात्र-छात्राएं अधिक संख्या में प्रवेश ले सकते है। केंद्रीय विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रदीप चंद्र थपलियाल का कहना है यदि कार्यदायी संस्था आगामी मार्च तक कार्य पूरा कर भवन हैंडओवर कर देती है तो नए शिक्षा सत्र अप्रैल से विद्यालय का संचालन विधिवत रूप से नए भवन पर कराया जा सकता है।

कपकोट के उच्च हिमालयी गांवों में हल्की बर्फबारी

बागेश्वर(आरएनएस)। जिले में दो दिन से मौसम का मिजाज बदला हुआ है। बुधवार को दिनभर बादल छाए रहे, जबकि गुरुवार सुबह से ही कपकोट और दुग-नाकुरी तहसील क्षेत्र में झमाझम बारिश हुई। बारिश से बचने के लिए लोगों को छाते का सहारा लेना पड़ा। अपराह्न करीब एक बजे के बाद कपकोट के उच्च हिमालयी क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी हुई, जिससे तापमान गिरकर पांच डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। ठंड बढ़ने से जनजीवन प्रभावित रहा। किसानों ने इस बारिश को खेती और फल उत्पादन के लिए लाभदायक बताया है। देर शाम मौसम साफ होने पर धूप निकल आई, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली।

अगस्त्यमुनि मैदान में प्रस्तावित निर्माण निरस्त करने की मांग

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। अगस्त्यमुनि मंदिर समिति के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को मठाधीश योगेश बेंजवाल के नेतृत्व में जिलाधिकारी विशाल मिश्रा से मुलाकात कर उन्हें जनपद की कमान संभालने पर शुभकामनाएं दीं। साथ ही अगस्त्यमुनि मैदान में प्रस्तावित निर्माण कार्य को तत्काल निरस्त करने तथा मुनि महाराज की डोली यात्रा के दौरान दर्ज मुकदमों को वापस लेने की मांग उठाई। प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि अगस्त्यमुनि मैदान क्षेत्र की धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक गतिविधियों का केंद्र है। यहां वर्षों से धार्मिक अनुष्ठान, मेले, कथा-कीर्तन, सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित होते रहे हैं। शीतकाल में विद्यालयों की कक्षाएं तथा जनपद स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताएं भी इसी मैदान में होती हैं। ऐसे में प्रस्तावित निर्माण को जनभावनाओं के विपरीत बताया गया। समिति ने श्रद्धालुओं पर संगीन धाराओं में दर्ज मुकदमों को वापस लेने की मांग करते हुए कहा कि कानूनी कार्रवाई से क्षेत्र में असंतोष का माहौल है। प्रशासन से संवाद के माध्यम से समाधान निकालने और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की अपील की गई। मैदान के समतलीकरण की मांग भी प्रमुखता से रखी गई। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता त्रिभुवन चौहान, नगर सभासद उमा कैंतुरा, पूर्व प्रधान कुंवर लाल आर्य, शाकंभरी खत्री, सतेश्वरी गुंसाई, सुशील गोस्वामी, दीपक बेंजवाल सहित अन्य मौजूद रहे।

बिजली का बकाया जमा नहीं करने पर बकायेदारों को नोटिस जारी

कोटद्वार (आरएनएस)। वित्तीय वर्ष 2025-26 के निकलने में कम समय रह गया है। ऐसे में सभी विभागों ने राजस्व वसूली तेज करने के लिए बकायेदारों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है।

ऊर्जा निगम ने बड़े बकायेदारों को निर्धारित समय के भीतर पैसा नहीं चुकाने पर कनेक्शन काटने की चेतावनी दी है। कहा कि देरी से पैसा देने पर विलंब शुल्क के साथ ही कनेक्शन जोड़ने का फिर से पैसा देना होगा। विभाग की ओर से बीते जनवरी माह में 295 उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे गए हैं।

कनेक्शन कटने से परेशान उपभोक्ताओं ने बिल भुगतान के लिए दौड़ लगानी शुरू कर दी है। विद्युत वितरण खंड कोटद्वार के अंतर्गत सबसे ज्यादा उपभोक्ता व बकाएदार कोटद्वार सब डिवीजन में हैं। ऊर्जा निगम के एसडीओ सिटी कमल सिंह का कहना है कि उनके एरिया में 47 हजार कनेक्शन घरेलू व व्यावसायिक के साथ ही उद्योगों के हैं। फरवरी अंतिम सप्ताह तक बिलों के भुगतान का काम जारी है। पांच हजार रुपये और इससे अधिक के बकाएदार केवल 176 उपभोक्ता हैं, जिन पर 61.90 लाख का बकाया है। दो हजार रुपये के बकायेदारों की संख्या करीब 3500 तक पहुंच गई है। इसके लिए उन्हें नोटिस दिए गए हैं।

पुराना बकाया धनराशि के साथ ही हर माह 20 करोड़ रुपये की बिलिंग होती है। उपभोक्ताओं को मार्च फाइनल को देखते हुए जल्द से जल्द बकाया धनराशि का भुगतान करने के लिए कहा जा रहा है। जनवरी माह में 26 करोड़ की वसूली और फरवरी में 27 करोड़ की वसूली का लक्ष्य निर्धारित हुआ था। वसूली में तेजी लाई गई है। अब 2.5 करोड़ का बकाया है, जिसे माह के अंत तक वसूल करने का लक्ष्य रखा गया है।

तहसील प्रशासन के पास विभिन्न प्रकार के बकाएदारों की सूची बनी हुई है, जिसमें जीएसटी, अदालती, सहकारी बैंक के ऋण, बैंक देय, वाहन ऋण के बकाएदार शामिल हैं। एक लाख रुपये से अधिक के बकाएदारों में 27 मामले लंबित है जिसकी वसूली के लिए व्यक्तिगत संपर्क कर प्रयास किए जा रहे हैं। तहसील में राजस्व वसूली का काम राजस्व संग्रह अमीन देख रहे हैं।

लेखाकार कमलेश्वर प्रसाद का कहना है कि अधिकारियों के दिशा निर्देश पर वसूली का काम तेज कर दिया गया है। 3.70 करोड़ की मांग के अनुरूप अभी तक 2.99 करोड़ की वसूली कर ली गई है। 81 फीसदी वसूली कर ली गई है। अवशेष 19 फीसदी बकाया धनराशि के लिए प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

खो-खो में शिशु विद्या मंदिर और जीजीआईसी दुगड्डा रहे अव्वल

कोटद्वार(आरएनएस)। नगर पालिका दुगड्डा व संस्कृति विभाग पौड़ी की ओर से राजकीय शहीद मेले के तहत बालक व बालिका वर्ग की खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भवानी सिंह रावत आदर्श विद्यालय जीआईसी दुगड्डा के खेल मैदान में हुआ। बालक वर्ग में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर दुगड्डा व बालिका वर्ग में जीजीआईसी दुगड्डा विजेता रहे। खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि पालिकाध्यक्ष शांति बिष्ट ने किया। उन्होंने कहा कि खेलों से शारीरिक व मानसिक विकास होता है। प्रदेश सरकार भी खेलों को लगातार बढ़ावा दे रही है। इस मौके पर बालक वर्ग की खो-खो प्रतियोगिता में विजेता व उपविजेता दोनों ही सरस्वती शिशु विद्या मंदिर दुगड्डा की टीमें रही। बालिका वर्ग की खो-खो प्रतियोगिता में जीजीआईसी दुगड्डा की टीम विजेता व गीतांजलि चिल्ड्रन एकेडमी की टीम उप विजेता रही। दोनों वर्गों में विभिन्न विद्यालयों की चार-चार टीमों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर ईओ जीपी जोशी, सभासद रेनू सुंद्रियाल, सुशीला देवी, अंशु जैन, अतुल अग्रवाल, पूर्व सभासद एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष दीपक ध्यानी, जिला महामंत्री राहुल जैन आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप से कैब संचालन के निर्णय पर रोक

ऋषिकेश(आरएनएस)। जौलीग्रांट एयरपोर्ट से कैब संचालन का मामला मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी तक पहुंच गया। स्थानीय टैक्सी संचालकों ने देहरादून में सीएम से मुलाकात कर उन्हें मामले से अवगत कराया। टैक्सी संचालकों ने बताया कि सीएम के आश्वासन पर कैब संचालन पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। टैक्सी यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष सुंदर सिंह पंवार ने सीएम को ज्ञापन सौंपकर बताया कि एयरपोर्ट से निजी कंपनी के कैब संचालन से स्थानीय टैक्सी चालकों के समक्ष रोज़ी-रोटी का गंभीर संकट खड़ा हो जाएगा। वर्षों से स्थानीय चालक सीमित संसाधनों में पर्यटन, आवागमन और आपात सेवाओं का जिम्मा निभाते आ रहे हैं। ऐसे में बाहरी निजी कंपनी के प्रवेश से स्थानीय चालकों के व्यवसाय प्रभावित होगा। जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर टैक्सी का संचालन निजी कंपनी को दिए जाने के निर्णय पर रोक लगाई जाए। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार स्थानीय लोगों के हितों की पूरी तरह से रक्षा करेगी। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में परिवहन विभाग से समन्वय स्थापित करते हुए परिवहन सचिव बृजेश संत से स्वयं बातचीत कर उचित समाधान निकालने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद निजी कंपनी के कैब संचालन पर फिलहाल रोक लगा दी गई है।

सड़क निर्माण की सुस्त रफ्तार से लोगों में नाराजगी

काशीपुर(आरएनएस)। भीमनगर से जैतपुर जाने वाली सड़क पर कुंडेश्वरी चौराहे से जैतपुर मार्ग के निर्माण की सुस्त रफ्तार से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गड्ढायुक्त सड़क पर भारी वाहनों के चलने से धूल का गुबार उठ रहा है। वहीं, दोपहिया वाहन चालक गिरकर चोटिल हो रहे हैं। लोक निर्माण विभाग का दावा था कि फरवरी के पहले पखवाड़े में निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा, लेकिन अभी तक गड्ढे भी नहीं भरे गए हैं। बीते वर्ष आरटीओ कार्यालय के नवनिर्मित भवन के उद्घाटन पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्थानीय जनता और जनप्रतिनिधियों की मांग पर इस सड़क निर्माण को स्वीकृति प्रदान की थी। दो घंटे के भीतर इसका शासनादेश भी जारी हो गया था। निर्माण एजेंसी लोक निर्माण विभाग ने दावा किया था कि फरवरी में कार्य पूरा कर दिया जाएगा। हालांकि बीच में कोहरा छाने से न तो गड्ढों का भरान हो सका और न ही सड़क किनारे टाइल्स बिछाने का काम पूरा हो पाया।

कार्य में लापरवाही पर होगी कार्रवाई

काशीपुर (आरएनएस)। एसएसपी अजय गणपति ने पुलिस कर्मियों को फास्ट और जिम्मेदार पुलिसिंग करने की सख्त हिदायत देते हुए कहा कि काम के मामले में कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। कार्य में लापरवाही पर कार्रवाई की जाएगी। गुरुवार को कोतवाली परिसर में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति की अध्यक्षता में सीएलजी सदस्यों एवं शहर के गणमान्य व्यक्तियों के साथ एक गोष्ठी आयोजित की गई। इसमें पार्षद राशिद फारूखी ने कहा कि काशीपुर को कानून व्यवस्था में प्राथमिकता से रखा जाए। यदि कोई जनप्रतिनिधि अपनी बात रखता है तो पुलिस उसे सुने और समस्या के अनुसार उसका निदान हो। पार्षद अब्दुल कादिर ने कहा कि अक्सर देखा जाता है कि नशा बेचने वाले छोटे सप्लायर पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ पाते। ऐसे में छोटे सप्लायरों पर भी शिकंजा कसा जाए। व्यापारी राजीव परनामी ने कहा कि प्रिया मॉल के पास पुल के नीचे दूसरे राज्यों से आए लोगों ने निवास बना लिया है। यह लोग पुल के नीचे ही सोते हैं और तेज आवाज में डीजे बजाते हैं। इन्हें पुलिस वहां से हटाए। पूर्व ग्राम प्रधान बबलू चौधरी ने कहा कि वर्तमान में ग्रामीण क्षेत्रों में जमीन को लेकर ठगी की जा रही है। किसी और की जमीन दिखाकर बयाना लिया जा रहा है। इससे गांव के लोग ठगी का शिकार हो रहे हैं। व्यापार मंडल की प्रियंका अग्रवाल ने कहा कि शहर में कुछ एरिया में कैमरे और लाइट की व्यवस्था नहीं है। ऐसे में जहां-जहां ब्लेक स्पॉट हैं वहां पर कैमरे लगाए जाएं। इसके अलावा स्कूल टाइम पर डंपरों के चलने पर रोक लगाने, मुख्य बाजार में ई-रिक्शाओं और ठेले वालों पर रोक लगाने, साप्ताहिक बाजार में जाम की समस्या, ट्रैफिक समस्या समेत अन्य समस्याएं लोगों ने रखी। एसएसपी अजय गणपति ने सभी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए पुलिस कर्मियों को सख्य हिदायत देते हुए कहा कि कानून व्यवस्था से जुड़ी किसी समस्या का शीघ्र समाधान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्कूल आने और जाने वाले समय पर भारी वाहनों की नो एंट्री की जाए। यहां एएसपी स्वप्न किशोर सिंह, सीओ अभिषेक गोयल, हसीन खान, मनोज अग्रवाल, विपिन कुमार, रवि प्रजापति, महेश चंद्र शर्मा, दिलप्रीत सिंह सेठी, राजकुमार सेठी, मोनू चौधरी आदि मौजूद रहे।

वर्कआउट के बाद सिर दर्द होना नहीं है सामान्य! हो जाएं सतर्क

वर्कआउट एक हेल्थी लाइफ स्टाइल का बहुत ही इंपॉर्टेंट हिस्सा है। जो शरीर और मन को कई सारे फायदे पहुंचता है। हालांकि कुछ लोगों को इसका दुष्प्रभाव भी महसूस होता है। इनमें से एक है शारीरिक गतिविधि के बाद सिर दर्द। हमारे आसपास ऐसे कई लोग हैं जो अक्सर यह शिकायत करते हैं कि वर्कआउट करने के तुरंत बाद ही उन्हें सिर दर्द होने लगता है। ऐसा क्यों होता है? क्या है इसके पीछे का कारण? जानेंगे इस आर्टिकल में विस्तार से, ताकि आप वर्कआउट के दौरान जो भी गलतियां करते हैं उसे सुधार लें और आपके वर्कआउट में रुकावट ना आए। बीपी-वर्कआउट के बाद सिरदर्द के प्रमुख कारणों में से एक वर्कआउट के दौरान रक्तचाप में वृद्धि है। जोरदार शारीरिक परिश्रम से रक्त वाहिकाओं का विस्तार होता है, रक्तचाप बढ़ जाता हैरक्त के प्रवाह में तेजी से वृद्धि से धमनिया धधकती हैं,जो सिर दर्द का कारण बनता है।अचानक से बीपी में स्पाइक होने से सिर में दर्द हो सकता है। डिहाइड्रेशन-इसके अलावा जब शरीर पर्याप्त रूप से हाइड्रेट नहीं होता है तब भी सर दर्द की समस्या होती है। जब आप वर्कआउट करते हैं तो आपको पसीना आता है। इस वजह से आप डिहाइड्रेट हो जाते हैं। तरल पदार्थ के कमी के कारण मस्तिष्क थोड़ा सा सिकुड़ जाता है। इससे दर्द और परेशानी हो सकती है इसलिए एक्सरसाइज करने से पहले और एक्सरसाइज करने के बाद अपने आप को ठीक से हाइड्रेट करें।

ऑक्सीनज की कमी-वर्कआउट के दौरान सांस लेने की खराब तकनीक सर दर्द का कारण बन सकती है। इंटेंस फिजिकल एक्टिविटी के दौरान सांस को रोक कर रखते हैं या फिर शैलो ब्रेथ करते हैं। ऐसे में मस्तिष्क को पर्याप्त ऑक्सीजन न मिलने के कारण भी सिर दर्द होने लगता है। कोशिश करें कि जब भी आप एक्सरसाइज करें सांस ठीक से लेने की कोशिश करें। ब्लड शुगर लेवल-हाई इंटेंसिटी वाले वर्कआउट से आपका ब्लड शुगर लेवल कम हो सकता है जिसे हाइपोग्लाइसीमिया कहा जाता है इससे भी सिर दर्द हो सकता है। नींद की कमी-अगर आपकी नींद ठीक से पूरी नहीं होती है और आप वर्कआउट के लिए चले जाते हैं तो ये आपको काफी थकाने वाला होता है, इससे सिर दर्द की समस्या हो सकती है। अगर आप जिम जाते हैं रोज एक्सरसाइज करते हैं तो सोने का सही पैटर्न सेट करें।

इन टिप्स से करें बचाव

एक्सरसाइज करने से पहले खुद को पूरी तरह से हाइड्रेट कर लें। वर्कआउट के दौरान ब्रेक लेकर पानी पीते रहें और वर्कआउट कंप्लीट करने के बाद भी पानी पिए। ज्यादा वर्कआउट करने से भी आपके सिर दर्द की समस्या हो सकती है इसलिए सीमित मात्रा में ही एक्सरसाइज करें। एक्सरसाइज करने के दौरान सांस रोकने की बजाय लंबी और गहरी सांस लें, इससे मस्तिष्क में ऑक्सीजन की पूर्ति होगी और आपके सिर दर्द की समस्या नहीं होगी।

दस्त और कब्ज दोनों का इलाज है सेब!

हम सभी जानते हैं कि सेब स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है और इसके सेवन से कई बीमारियों से बचा जा सकता है। इसी तरह सेब दो विपरीत स्वास्थ्य समस्याओं यानी कब्ज और दस्त का इलाज भी करता है।

अलग-अलग तरीके से सेब खाने से कब्ज या दस्त दोनों को ठीक किया जा सकता है, आइए जानते हैं कैसे।

सेब के गुण

सेब घुलनशील और अघुलनशील फाइबर से बना होता है। इसमें 64 फीसदी अघुलनशील फाइबर और 32 फीसदी घुलनशील फाइबर होता है।

सेब से कैसे करें दस्त का इलाज

घुलनशील फाइबर पाचन को धीमा कर देते हैं जिससे दस्त की समस्या कम होती है। सेब के अंदरूनी भाग यानी पल्प और गूदे में घुलनशील फाइबर मौजूद होते हैं। तो अगर आपको दस्त हैं तो बेहतर होगा कि आप सेब का छिलका उतार कर खाएं।

सेब में मौजूद अघुलनशील फाइबर मल की मात्रा को बढ़ाते हैं और आंतों को साफ करने का रास्ता बनाने में मदद करते हैं। इस वजह से सेब कब्ज में लाभकारी होता है। सेब के छिलके में अघुलनशील फाइबर पाए जाते हैं इसलिए अगर आपको कब्ज की समस्या है तो इससे राहत पाने के लिए छिलके के साथ सेब खाएं।

एक रिसर्च में पाया गया कि जो महिलाएं रोज सेब खाती थीं उनमें सेब न खाने वाली महिलाओं की तुलना में कब्ज की समस्या 13 से 22 फीसदी कम पाई गई। सेब में पेक्टिन फाइबर भी होता है जो कि एंफोटेरिक प्रभाव देता है। इस प्रकार एक ही फल पेट से जुड़ी दो विपरीत समस्याओं यानी दस्त और कब्ज से छुटकारा पाने में मदद करता है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

हड़ताल श्रमिक अधिकारों को कमजोर करती है

एस. पी. तिवारी

चार नयी श्रम संहिताओं का क्रियान्वयन, भारत की विशाल श्रम शक्ति, विशेष रूप से अनौपचारिक और असंगठित क्षेत्रों में काम करने वाले श्रमिकों के लिए जीवन यापन में आसानी में सुधार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इन सुधारों का उद्देश्य, बिना जटिल उद्योग वर्गीकरण की बाधाओं के, सभी श्रमिकों के लिए न्यूनतम मजदूरी की गारंटी देना है। प्रत्येक श्रमिक के लिए अनिवार्य पहचान पत्र की शुरुआत करते हुए, ये संहिताएं उन्हें सामाजिक सुरक्षा लाभों तक सीधी पहुंच की सुविधा के साथ सशक्त बनाने का प्रयास करती हैं। नियमित और अनिवार्य स्वास्थ्य जांच, श्रमिकों की भलाई में मदद करेंगी, जिससे वे स्वस्थ और अधिक उत्पादक जीवन व्यतीत कर सकेंगे। इसके अलावा, समयबद्ध शिकायत निवारण व्यवस्था, पीड़ित श्रमिकों द्वारा सामना किए जाने वाले मानसिक तनाव और अनिश्चितता को कम करने में सहायता करेगी। समग्र रूप से, ये उपाय भारतीय श्रमिकों के लिए गरिमा, सुरक्षा और समावेशी विकास पर केंद्रित एक प्रगतिशील रूपरेखा का प्रतिनिधित्व करते हैं।

हालाँकि, इन सकारात्मक प्रावधानों के बावजूद, राजनीतिक रूप से प्रेरित केंद्रीय श्रमिक संघों (ट्रेड यूनियन) का एक हिस्सा अक्सर हड़ताल के प्रतिकूल प्रभाव पर पूरी तरह विचार किए बिना, हड़ताल पर उतर आता है। ऐसी हड़तालों से विशेष रूप से असंगठित अर्थव्यवस्था के लगभग 38 करोड़ श्रमिकों के पारिश्रमिक को भारी नुकसान होता है, जो अपनी जीविका के लिए दैनिक आय पर निर्भर होते हैं। उनके मुद्दों को हल करने के बजाय, बार-बार होने वाली हड़तालें रचनात्मक और कठोर सामूहिक सौदेबाजी की प्रक्रिया को कमजोर करती हैं, जिससे श्रमिकों और नियोक्ताओं दोनों के लिए न्यायसंगत और संतुलित परिणाम हासिल करने की संभावना कम हो जाती है।

समय के साथ, बार-बार हड़ताल बुलाने का प्रयास न केवल अप्रभावी साबित हुआ है बल्कि इसके परिणाम प्रतिकूल भी रहे हैं। बार-बार होने वाली हड़तालों से श्रमिकों में व्यापक थकान दिखाई पड़ता है, जिससे बड़ी संख्या में श्रमिक ऐसे आह्वान को या तो नजरअंदाज करते हैं या उनमें शामिल नहीं होते हैं। कुछ मामलों में, श्रमिकों के एक छोटे हिस्से को उनकी इच्छा के विपरीत हड़तालों में हिस्सा लेने के लिए मजबूर किया जाता है, जिससे इन आंदोलनों की नैतिक वैधता व सामूहिक ताकत और कमजोर हो जाती है। अंततः, यह प्रवृत्ति श्रमिक कल्याण उपायों के समग्र प्रभाव को कम करती है और श्रमिकों के बीच एकजुटता को कमज़ोर करती है।

हड़तालों के व्यापक परिणाम केवल कार्यस्थल तक सीमित नहीं रहते। औद्योगिक उत्पादन प्रभावित होता है, दैनिक यात्रियों को गंभीर असुविधा का सामना करना पड़ता है, और सड़क किनारे के विक्रेताओं, घरेलू श्रमिकों और छोटे सेवा प्रदाताओं की आजीविका बाधित हो जाती है। इन श्रमिकों के लिए, केवल एक दिन की आय का नुकसान भी आजीविका संकट पैदा कर सकता है, उन्हें अपनी सीमित बचत को खत्म करने तथा गंभीर आर्थिक असुरक्षा में जाने के लिए मजबूर कर सकता है।

भारत जैसी उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में, श्रमिक संघों (ट्रेड यूनियन) को संवाद, आपसी-बातचीत और नियोक्ताओं तथा सरकार के साथ रचनात्मक सहयोग को प्राथमिकता देनी चाहिए। स्थायी सौदेबाजी और सहयोगात्मक समस्या समाधान पर आधारित एक मॉडल उत्पादन, रोजगार, और समग्र आर्थिक वृद्धि को बाधित किए बिना श्रमिकों की समस्याओं का समाधान कर सकता है। वर्तमान संदर्भ में, भारतीय केंद्रीय श्रमिक संघों को, जो धीरे-धीरे अपना प्रभाव खो रहे हैं, आत्मविश्लेषण करने और अन्यत्र अपनाई जाने वाली अधिक प्रभावी और दूरदर्शी तरीकों को अपनाने की आवश्यकता है।

भारतीय श्रमिक को एक समग्र दृष्टिकोण के साथ संगठित किया जाना चाहिए, जो जीवन यापन में आसानी, सामाजिक सुरक्षा और सकारात्मक सहभागिता पर जोर देता हो। विवादों का समाधान टकराव के बजाय संवाद के माध्यम से करना यह सुनिश्चित करेगा कि परिचालन प्रक्रिया बाधित न हो और राष्ट्रीय विकास की गति सुचारू रूप से जारी रहे। केवल ऐसे संतुलित और व्यावहारिक रणनीतियों के जरिये ही श्रमिकों के अधिकारों को वास्तविक रूप में मजबूत और दीर्घावधि में सुरक्षित किया जा सकता है।

(लेखक ट्रेड यूनियन को-ऑर्डिनेशन सेंटर (टीयूसीसी) के राष्ट्रीय महासचिव हैं)

शब्द सामर्थ्य -050

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. अभिमान, घमंड, अनुमान 4. बादल, मेघ, जलद (सं) 6. अधिकार वाला, अधिकारी 8. गति, सामंजस्य, समा जाना 10. कारावास, जेल 11. जोर, शक्ति, जान, सांस 12. राजाओं के रहने का भवन 15. मालामाल, अमीर, धनवान 18. नाव खेने का यंत्र 20. 'खन' ध्वनि उत्पन्न होना, पायल आदि का शब्द करना 21. मार डाला हुआ, घायल किया हुआ 22. हमेशा, आवाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. हीरा।

ऊपर से नीचे

1. दोषी, अपराधी 3. ताश में नौ अंक वाला पत्ता 4. झंडा, पताका 5. गहरा कीचड़, पंक 7. बूंद, अंश 9. मृत्यु के देवता 13. संसार, दुनिया, जग 14. हुजूर, जनाब, सम्मान सूचक एक शब्द (उ.) 16. सच्चा, धर्मनिष्ठ, ईमानवाला 17. अनूठा, बांका, अनुपम, छैला 18. आश्रय, शरण 19. साधुवाद, प्रशंसा 20. पटवारी की ऐसी बही जिसमें खेत संबंधी अनेक बातें लिखी जाती है, एक प्रकार का दानेदार संक्रामक रोग 23. गम, मातम, दुख।

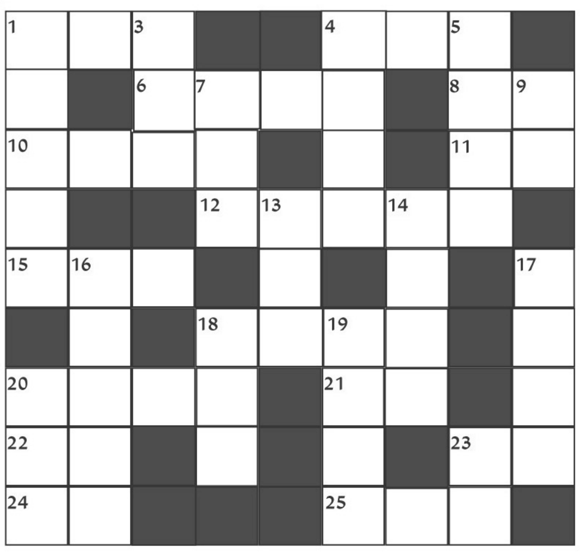

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 49 का हल

स्मृ	ति		पा	व	क		बे	ल
	र	ज	नी	च	र			ट्टू
मु	स्का	न		न	म	की	न	
सा	र		स			ट	ख	ना
फि		अ	जा	य	ब		रा	जा
र	च	ना		था	ल			य
		धि		र्थ		स	मा	ज
उ	प	कृ	त		आ	वा	ज	
ल्लू		त			ब	ल	रा	म

अल्लू अर्जुन-लोकेश कनगराज की परियोजना ने सोशल मीडिया पर धूम मचा दी है

आइकॉन स्टार अल्लू अर्जुन और स्टार डायरेक्टर लोकेश कनगराज की आने वाली फिल्म शूटिंग शुरू होने से पहले ही इंडस्ट्री में चर्चा का विषय बन गई है। इस प्रोजेक्ट का अनाउंसमेंट वीडियो, जिसे एए23 नाम दिया गया है, रिलीज होते ही फिल्म प्रेमियों का ध्यान खींचने में कामयाब हो गया है। हालांकि कहानी के बारे में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इसके प्रस्तुतीकरण ने फिल्म को लेकर उम्मीदें बेहद बढ़ा दी हैं। अनाउंसमेंट वीडियो में दिखाए गए स्टाइलिश विजुअल्स के साथ-साथ म्यूजिक डायरेक्टर अनिरुद्ध द्वारा तैयार किया गया दमदार बैकग्राउंड म्यूजिक सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है। खासकर इंस्टाग्राम पर फैंस इस थीम म्यूजिक के साथ रील्स बना रहे हैं। फिल्म की शूटिंग शुरू होने से पहले ही अनाउंसमेंट म्यूजिक पर लाखों रीलें बन जाने से टॉलीवुड और कॉलीवुड दोनों में खूब चर्चा हो रही है। गौरतलब है कि एए23 अनाउंसमेंट थीम पर 35 लाख से ज्यादा रीलें बन चुकी हैं। इसके साथ ही, बिना किसी टीज़र या झलक के फिल्म ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक अनोखा रिकॉर्ड बना लिया है। इंडस्ट्री के सूत्र भी हैरानी जता रहे हैं क्योंकि ऐसा पहली बार हुआ है कि किसी फिल्म के अनाउंसमेंट से जुड़े म्यूजिक को इतना जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। डिजिटल युग में, फिल्म की शुरुआत से ही दर्शकों को प्रभावित करना बेहद जरूरी हो गया है। इस लिहाज से, एए23 टीम ने बखूबी सफलता हासिल की है। इसके अलावा, लोकेश कनगराज के ड्रीम प्रोजेक्ट के रूप में वर्णित इस फिल्म के बारे में चल रही चर्चा भी लोगों की दिलचस्पी बढ़ा रही है, क्योंकि यह एक विशेष कहानी पर आधारित है। इस बड़े बजट की फिल्म का निर्माण मशहूर प्रोडक्शन हाउस मैत्री मूवी मेकर्स कर रहा है। प्रशंसक पहले से ही यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि अल्लू अर्जुन की अखिल भारतीय लोकप्रियता और लोकेश कनगराज के एक्शन का संगम कैसा जादू बिखेरेगा। शूटिंग शुरू होने से पहले ही जो दीवानगी देखने को मिल रही है, उससे साफ पता चलता है कि आने वाले दिनों में यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कितनी धूम मचाने वाली है।

डकैत में अनुराग कश्यप का दिखा दमदार अंदाज

मृणाल ठाकुर और आदिवी शेष स्टारर मच अवेटेड डकैत' का टीजर आज रिलीज हो गया है। फैंस फिल्म का बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और टीजर देखने के बाद फैंस का उत्साह और भी बढ़ गया है। टीजर से फिल्म की कहानी और किरदारों के बारे में पता चलता है। डकैत' का टीजर तो रिलीज हो गया है, लेकिन अभी ये टीजर सिर्फ तेलुगु' में रिलीज किया गया है। यानी हिंदी दर्शकों को अभी थोड़ा इंतजार करना पड़ सकता है। 1 मिनट 31 सेकंड के इस टीजर की शुरुआत आदिवी शेष से होती है। टीजर में पहले लव स्टोरी देखने को मिलती है, जो धीरे-धीरे एक्शन पर पहुंच जाती है। टीजर में आदिवी शेष लवर बॉय से लेकर एक्शन हीरो तक के अवतार में दिखते हैं। जबकि मृणाल ठाकुर एक बार फिर सुंदर लगी हैं। इसके अलावा टीजर में फिल्म की बाकी कास्ट अनुराग कश्यप, प्रकाश राज और अतुल कुलकर्णी की भी झलक दिखती है। टीजर का अंत अनुराग कश्यप पर होता है, जो फिल्म में निगेटिव रोल में नजर आएंगे। शनिल देव द्वारा निर्देशित यह फिल्म 19 मार्च 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है। 19 मार्च को धुरंधर' का पार्ट 2 और यश की टॉक्सिक' भी रिलीज होनी है। ऐसे में डकैत' की टक्कर दो बड़ी फिल्मों से होनी है। अब देखना ये है कि आने वाले वक्त में इनमें से किसी फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ती है या नहीं। फिलहाल तो 19 मार्च को बॉक्स ऑफिस पर एक बड़ा क्लैश होने की संभावना है।

एक्शन अवतार में दिखे अभिनेता मनोज मांचू

तेजा सज्जा की फिल्म मिराय' में विलेन की भूमिका निभाने वाले अभिनेता मनोज मांचू अब नई एक्शन पैक्ड फिल्म लेकर आ रहे हैं। उनकी आगामी पैन इंडिया फिल्म डेविड रेड्डी' की शूटिंग शुरू हो गई है। अब फिल्म की हिंदी झलक भी सामने आई है। जानिए क्या है फिल्म की कहानी... 2 मिनट 39 सेकंड के इस वीडियो में जमकर एक्शन देखने को मिलता है। फिल्म की कहानी 1897 से 1922 के समय पर आधारित है। इसलिए इसकी पहली झलक में भी सुभाष चंद्र बोस और ब्रिटिश साम्राज्य के बारे में सुनने को मिलता है। फर्स्ट ग्लिप्स में दिखाया गया है कि कैसे अंग्रेजों से मुकाबला करने के लिए एक फैक्ट्री में हथियार बनाए जा रहे हैं। इस अनाउंसमेंट वीडियो में दिखाया गया है कि जलियांवाला बाग में हुए नरसंहार के बाद अंग्रेजों के खिलाफ भारतीयों में गुस्सा था। इन्हीं से मुकाबला करने के लिए डेविड रेड्डी नाम के एक व्यक्ति ने खुद हथियार बनाने की ठानी। फिल्म में मनोज मांचू को फुल एक्शन हीरो के अवतार में दिखाया गया है। फिलहाल अभी सिर्फ फिल्म की शूटिंग शुरू हुई है। हनुमा रेड्डी यक्कंती द्वारा निर्देशित यह एक्शन पैक्ड फिल्म पैन इंडिया स्तर पर रिलीज होगी। फिल्म को हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और अंग्रेजी भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। फिल्म की पहली झलक देखने के बाद फैंस अब मनोज मांचू को इस अवतार में देखने के लिए उत्साहित हैं। मनोज मांचू इससे पहले तेजा सज्जा की मायथोलॉजिकल-सुपरनेचुरल फिल्म मिराय' में नजर आए थे। इस फिल्म में उन्होंने निगेटिव भूमिका निभाई थी। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स की मिली-जुली प्रतिक्रिया हासिल हुई थी। अब मनोज मांचू अपनी मुख्य भूमिका वाली इस एक्शन फिल्म को लेकर तैयार हैं।

इशिका तोरिया को मिला बड़ा मौका

भोजपुरी म्यूजिक इंडस्ट्री की अभिनेत्री और मॉडल इशिका तोरिया ने अपने करियर के सफर में एक नया मुकाम हासिल किया है। उन्हें इंडस्ट्री की जानी-मानी म्यूजिक कंपनी वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी ने एक्सक्लूसिव तौर पर साइन किया है। यह कदम उनके करियर के लिए बेहद अहम है। यह साइनिंग उनके लिए और कंपनी दोनों के लिए फायदे का सौदा साबित हो सकता है।

इशिका तोरिया ने अपने करियर की शुरुआत साल 2015 में एक बाल कलाकार के रूप में की थी। उन्होंने धीरे-धीरे इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई और गुजराती फिल्म इंडस्ट्री में भी अपनी अलग छाप छोड़ी। इशिका ने दो गुजराती फिल्मों- लव नो भवाड़ो और 3 चक्करम में अभिनय किया। इसके अलावा, उन्होंने 80 से ज्यादा गुजराती म्यूजिक वीडियोज में काम किया और कुछ पंजाबी गानों में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

अलग-अलग क्षेत्रों के काम ने उन्हें इंडस्ट्री में लोकप्रियता दिलाई। इशिका केवल फिल्मों और म्यूजिक वीडियोज तक सीमित नहीं रही। वह कई रैंप शोज और फैशन इवेंट्स का हिस्सा रह चुकी हैं, जहां उनके स्टाइल को लोगों ने काफी सराहा। उनके पास कला और फैशन दोनों का शानदार अनुभव है। इसी अनुभव के दम पर उन्होंने इंडस्ट्री में अलग पहचान बनाई है। इशिका के अनुभव और मेहनत को देखते हुए वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के एमडी रत्नाकर कुमार ने कहा, इशिका तोरिया में टैलेंट, मेहनत और स्क्रीन प्रेजेंस का बेहतरीन कॉम्बिनेशन है। उन्होंने कम उम्र में इंडस्ट्री में लंबा सफर तय किया है। हमें पूरा भरोसा है कि वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के बैनर तले वह और भी बेहतरीन प्रोजेक्ट्स करेंगी और दर्शकों को पसंद आएंगी।

वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के साथ इस नई साझेदारी पर इशिका ने अपनी खुशी जाहिर की और कहा, वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स जैसी बड़ी और प्रतिष्ठित म्यूजिक कंपनी के साथ एक्सक्लूसिव तौर पर जुड़ना मेरे लिए गर्व की बात है। मैं रत्नाकर कुमार सर का दिल से धन्यवाद करती हूं, जिन्होंने मुझ पर भरोसा जताया। आने वाले समय में मैं दर्शकों के लिए कुछ खास और यादगार काम लेकर आऊंगी। भोजपुरी म्यूजिक इंडस्ट्री में इस साइनिंग को लेकर काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। इशिका तोरिया के नए म्यूजिक और एंटरटेनमेंट प्रोजेक्ट्स का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

चाहत पांडे ने ओटीटी की दुनिया में रखा कदम

टीवी और रियलिटी शो की दुनिया में अपनी पहचान बना रही एक्ट्रेस चाहत पांडे ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी डेब्यू किया है। हंगामा ओटीटी पर रिलीज हुई नई वेब सीरीज हसरतें सीजन 3 में उन्होंने एक चुनौतीपूर्ण किरदार निभाया है। उनका किरदार कई मायनों में महिलाओं की जटिल भावनाओं, उनकी इच्छाओं और उनके संघर्ष को बयां करता है। सीरीज के नए एपिसोड नया किराएदार में चाहत पांडे ने स्मिता नाम की गृहिणी की भूमिका निभाई है। स्मिता एक ऐसी महिला है, जो अपने पति के अचानक गायब होने के बाद अकेली और भावनात्मक रूप से असुरक्षित महसूस करती है। उसे अपनी दबंग सास के साथ रहना पड़ता है, जिससे उसके जीवन में दबाव और भी बढ़ जाता है। समाज की निगाहें, ऑफिस में हो रहे उत्पीड़न और अपनी अधूरी इच्छाओं को दबाने की मजबूरी ने उसकी जिंदगी को थमा दिया है। लेकिन कहानी में बदलाव तब आता है, जब उसके घर में समर्थ नाम का एक युवा म्यूजिशियन किरायेदार बनकर आता है। उनकी बढ़ती दोस्ती स्मिता के भीतर छिपी हुई भावनाओं को फिर से जागृत करती है। जैसे-जैसे स्मिता समर्थ के करीब जाने लगती है, अचानक उसके पति की वापसी हो जाती है। स्मिता को अब यह तय करना होता है कि वह समाज की बनाई गई मर्यादाओं और पारिवारिक जिम्मेदारियों में बंधी रहे या अपनी खुशी और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को चुने।

यह कहानी दर्शकों को यह सोचने पर मजबूर करेगी कि कभी-कभी जीवन में अपनी खुशी चुनना गुनाह नहीं, बल्कि जीवित रहने का तरीका है।चाहत पांडे ने अपने किरदार को लेकर कहा, स्मिता मेरे करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार है। स्मिता ऐसी महिला है, जिसे बचपन से सिखाया गया कि उसे अपने दर्द और अधूरी इच्छाओं को कभी व्यक्त नहीं करना है। पति के गायब होने के बाद समाज उसे और भी सख्ती से नियंत्रित करने लगता है। इस किरदार के जरिए मैंने यह दिखाने की कोशिश की कि जब एक महिला अपनी आवाज सुनती है, तो उसके जीवन में कितना बड़ा बदलाव आ सकता है। चाहत ने आगे कहा, स्मिता की कहानी उसके अधिकारों को वापस पाने और यह स्वीकार करने की कहानी है कि अपनी खुशी चुनना कोई अपराध नहीं है। यह किरदार महिलाओं की भावनाओं, उनके संघर्ष और उनकी स्वतंत्रता की कहानी को बड़े ही संवेदनशील तरीके से पेश करता हैहसरतें सीजन 3 में चाहत पांडे का यह कदम ओटीटी की दुनिया में उनकी नई पहचान बनाने का भी अवसर है। दर्शक न केवल उनकी भावनाओं से जुड़ेंगे, बल्कि उनकी कहानी के माध्यम से समाज में महिलाओं की स्वतंत्रता और व्यक्तिगत अधिकारों के महत्व को भी महसूस करेंगे।

एक शिक्षक के भरोसे चल रहा कुथनौरगाँव का उच्च प्राथमिक स्कूल

उत्तरकाशी(आरएनएस)। जनपद के सरकारी स्कूलों में शिक्षण व्यवस्था रामभरोसे चल रही है। बड़कोट के कुथनौर गांव में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में सालों से छात्रों के पठन-पाठन का जिम्मा महज एक शिक्षक पर है। स्कूल में शिक्षकों की नियुक्ति की मांग के बावजूद शिक्षा विभाग की ओर से आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। कुथनौर में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय और राजकीय इंटर कॉलेज का एक ही परिसर है। इंटर कॉलेज में 12 से 14 शिक्षक तैनात हैं, लेकिन उच्च प्राथमिक स्कूल में एक ही शिक्षक 40-50 बच्चों को पढ़ा रहा है। ऐसे में एक शिक्षक से ही बच्चों को सारे विषय की पढ़ाई कवर करनी पड़ रही है। कुथनौर प्रधान संदीप नौटियाल ने बताया कि दो तीन साल पहले तक स्कूल में दो शिक्षक थे लेकिन इस बीच एक शिक्षक का तबादला हो गया जिससे अब स्कूल एकमात्र शिक्षक के भरोसे संचालित हो रहा है। स्कूल में क्षेत्र के कुथनौर, नाखुणा, कफोला, हालना, पाली, पुजारगांव आदि गांवों से स्कूली बच्चे पढ़ने आते हैं, लेकिन शिक्षकों की कमी के कारण बच्चों का पठन-पाठन पूरी तरह से चौपट है। इससे अभिभावक अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में जिलाधिकारी को भी पत्र प्रेषित किया गया है। अभिभावकों की मांग है कि यहां एक परिसर में संचालित दोनों विद्यालयों का एकीकरण किया जाए और उच्च प्राथमिक स्तर पर शिक्षकों की पर्याप्त तैनाती हो। उन्होंने विद्यालय में जल्द और शिक्षकों की नियुक्ति न होने पर आंदोलन करने की चेतावनी दी। प्रभारी खंड शिक्षाधिकारी नौगांव नरेश रावत का कहना है कि हाल ही में दुर्गम विद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति हुई है। इस स्कूल में शिक्षकों की तैनाती को लेकर खंड स्तर से पत्राचार किया गया है। जल्द ही यहां भी शिक्षकों की नियुक्ति हो जाएगी।

ग्रामीणों को दिया आपदा जोखिम न्यूनीकरण का प्रशिक्षण

उत्तरकाशी(आरएनएस)। क्षेत्र में आपदा प्रबंधन को सशक्त और समावेशी बनाने के उद्देश्य से बुरांश संस्था की ओर से ग्रामीणों को दो दिवसीय सामुदायिक आधारित समावेशी आपदा जोखिम न्यूनीकरण का प्रशिक्षण दिया। इसमें ग्रामीणों को सुरक्षित भविष्य एवं आपदा से पहले तैयारी करने का प्रशिक्षण दिया गया। बुरांश परियोजना पुरोला की ओर से आयोजित प्रशिक्षण का शुभारंभ संस्था के प्रोजेक्ट कोडिनेटर प्रकाश राज ने किया। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को आपदा से पूर्व तैयारी, जोखिम की पहचान, समुदाय की सक्रिय भागीदारी, विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों एवं दिव्यांगजनों को आपदा प्रबंधन में शामिल करने के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई। इस मौके पर प्रकाश राज, गमेश्वर सिंह, विजय रतूड़ी, सुशील थपलियाल, पल्लवी, सुनीता, सुमित्रा, पवन, रेखा, रमिता,जयमाला, गब्बर सिंह, पंकज गैरोला, भगवान सिंह आदि मौजूद रहे।

सू- दोकू क्र.050

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.49 का हल

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2

तीनपानी डैम के पुनर्निर्माण को बजट मिलने पर मेयर का स्वागत

रुद्रपुर(आरएनएस)। तीनपानी डेम के पुनर्निर्माण के लिए बजट जारी होने पर फुलसुंगा वार्ड एक वार्डवासियों ने मेयर विकास शर्मा और किच्छा के पूर्व विधायक राजेश शुक्ला का स्वागत किया।

आयोजित अभिनंदन कार्यक्रम में मेयर विकास शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का विशेष लगाव रुद्रपुर से है। यह डैम उनके अपने वार्ड में है। इसके चलते उन्होंने मुख्यमंत्री से विशेष रूप से व्यक्तिगत तौर पर आग्रह किया था। इसे उन्होंने स्वीकार किया और इसके लिए बजट जारी हो गया है। जल्द ही इसकी टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।

डैम के पुनर्निर्माण के तहत नए पुल का निर्माण होगा। साथ ही जल निकासी के लिए नए गेट बनाए जाएंगे। इससे पुल पर जल निकासी की क्षमता तीन गुना बढ़ जाएगी। साथ ही मार्ग भी साढ़े सात मीटर चौड़ा हो जाएगा। इससे जलभराव की समस्या के स्थाई समाधान के साथ आवागमन भी सुगम हो जाएगा। मेयर ने कहा कि गंगापुर रोड के चौड़ीकरण को भी मुख्यमंत्री ने स्वीकृति मिल चुकी है और उसपर शीघ्र कार्य शुरू होगा। वहीं किच्छा के पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने कहा कि क्षेत्र का समग्र विकास भाजपा सरकार में ही संभव है।

उन्होंने तीनपानी डेम पुनर्निर्माण को जनहित से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि इससे हजारों लोगों को राहत मिलेगी। इस मौके पर सुरेश कोली, जिला मीडिया प्रभारी विजय तोमर, चंदन भट्ट, रोहित भट्ट, सुरेश गौरी, राम सिंह बिष्ट, कार्यालय मंत्री सुनील यादव, अखिलेश सिंह, हरिओम गंगवार, अनिल शर्मा, आर्यन शर्मा आदि मौजूद रहे।

2027 की जनगणना शत-प्रतिशत होगी डिजिटल

पिथौरागढ़(आरएनएस)। जनगणना के लिए प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई शुरु हो गई है। पहले चरण में घर-घर जाकर मकानों की गणना होगी,दूसरे चरण में जनसंख्या गणना की जाएगी। विकास भवन में जनगणना को लेकर तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ डीएम आशीष भटगांई ने किया। डीएम आशीष ने कहा कि जनगणना का हमारे देश में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। यह न केवल विकास योजनाओं के निर्माण का आधार है, बल्कि जनकल्याणकारी नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन का प्रमुख साधन भी है। एडीएम योगेंद्र सिंह ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें इसी के आधार पर विकास योजनाएं बनाती हैं।

सटीक आंकड़ों के बिना योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन संभव नहीं है, इसलिए इस कार्य को पूरी जिम्मेदारी और पारदर्शिता के साथ पूरा किया जाना चाहिए। आगामी जनगणना 2027 शत प्रतिशत डिजिटल की जाएगी। पहले चरण में घर-घर जाकर क्षेत्रीय सर्वेक्षण के रूप में मकानों की गणना होगी,दूसरे चरण में जनसंख्या गणना की जाएगी। हिमालयी राज्य को देखते हुए उत्तराखण्ड में जनसंख्या गणना का काम 11 सितंबर से 30 सितंबर 2026 तक किया जाएगा।

मौजूद अधिकारियों को डिजिटल प्रकिया,मोबाइल एप आधारित डाटा संकलन,सीएमएमएस पोर्टल सहित जनगणना को लेकर जानकारी दी गई। इस दौरान जनगणना निदेशालय के सहायक निदेशक परविंद्र कुमार सिंह,सांख्यिकी अधिकारी अनुपम आर्या,हेमंत कुमार सहित अन्य आला अधिकारी मौजूद रहे।

उत्तराखंड विवि कर्मचारी महासंघ का प्रदेश सम्मेलन 22 को

हरिद्वार(आरएनएस)। उत्तराखंड विवि कर्मचारी महासंघ का द्विवार्षिक प्रदेश सम्मेलन 22 फरवरी को हरिद्वार के गुरुकुल परिसर में आयोजित होगा। सम्मेलन में राज्य के 11 राजकीय विश्वविद्यालयों, केंद्रीय विश्वविद्यालय श्रीनगर और गुरुकुल कांगड़ी विवि के कर्मचारी प्रतिनिधि शामिल होंगे। महासंघ के अध्यक्ष भूपाल सिंह करायत और महामंत्री प्रशांत मेहता ने बताया कि संगठन राज्य के सभी राजकीय विश्वविद्यालयों के अतिरिक्त केंद्रीय विश्वविद्यालय और गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के कर्मचारी संगठनों को समाहित करता है। कर्मचारियों की विभिन्न मांगों और समस्याओं के समाधान के लिए संगठन विश्वविद्यालय प्रशासन, राज्य सरकार, केंद्र सरकार तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग स्तर पर लगातार प्रयास करता रहा है। पदाधिकारियों के अनुसार प्रत्येक दो वर्ष में आयोजित होने वाले इस राज्य स्तरीय सम्मेलन के प्रथम सत्र में उच्च शिक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया जाता है। इस वर्ष का मुख्य विषय ऽभारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली में संस्थागत स्वायत्तताऽ रहेगा, जिस पर विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए प्रतिनिधि अपने विचार और सुझाव प्रस्तुत करेंगे। सम्मेलन में आयोजक विश्वविद्यालय के कुलपति अरुण कुमार त्रिपाठी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। मुख्य संयोजक चंद्रमोहन पैन्यूली और कार्यक्रम संयोजक खीमानंद भट्ट ने बताया कि सम्मेलन में राज्यभर से लगभग 300 कर्मचारी भाग लेंगे। आयोजन की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और विभिन्न समितियों का गठन कर जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं।

महिलाओं और बालिकाओं को दिए आत्मरक्षा के टिप्स

हरिद्वार(आरएनएस)। महिला सुरक्षा को लेकर जनपद पुलिस ने 'पुलिस आपके द्वार' अभियान के तहत खड़खड़ी स्थित निर्धन निकेतन विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम हुआ। मौके पर बालिकाओं और महिलाओं को कानून व हेल्पलाइन संबंधी जानकारी दी। आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों ने उपस्थित बालिकाओं और महिलाओं को महिला सुरक्षा से जुड़े विभिन्न कानूनों, आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर 112, महिला हेल्पलाइन 1090/1091, साइबर अपराध से बचाव, छेड़छाड़ और घरेलू हिंसा जैसी परिस्थितियों में त्वरित सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही आत्मरक्षा के सामान्य उपायों और सतर्कता संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव भी साझा किए गए। कार्यक्रम के दौरान पुलिस टीम ने कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या होने पर महिलाएं बिना संकोच पुलिस से संपर्क करें, पुलिस उनकी सहायता और सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर है। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज में सुरक्षा और विश्वास बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया तथा भविष्य में भी ऐसे जनजागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाने की अपेक्षा जताई। कार्यक्रम में खड़खड़ी चौकी प्रभारी ब्रह्मदत्त बिजल्वाण, उपनिरीक्षक निशा सिंह, महिला कांस्टेबल शोभा और कांस्टेबल अरुण नेगी मौजूद रहे।

शिविर में जंगली जानवरों की समस्या का मुद्दा उठा

हरिद्वार(आरएनएस)। लालढांग न्याय पंचायत में आयोजित 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' शिविर में ग्रामीणों ने जंगली जानवरों के आतंक, गंदे पानी की निकासी, राशन कार्ड और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बंद रहने जैसी 58 शिकायतें दर्ज की गईं।

अधिकारियों ने संबंधित विभागों को प्राथमिकता के आधार पर समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए। आयोजित शिविर में अपर जिलाधिकारी एफआर चौहान ने संबंधित विभागों को शिकायतों के त्वरित समाधान के निर्देश दिए। ग्राम प्रधान रसूलपुर कमलेश द्विवेदी ने बताया कि कांवड़ मेले के दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लालढांग बंद रहने से स्थानीय लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

मेले में स्टाफ की तैनाती होने से स्वास्थ्य केंद्र पर ताला लटक जाता है और मरीजों को उपचार के लिए हरिद्वार जाना पड़ता है।

उन्होंने ओपीडी समय बढ़ाने की मांग भी उठाई। चमरिया निवासी विजेंद्र सैनी ने बुक्सा जनजाति के लोगों के दस्तावेजों से जाति हटाए जाने का मामला उठाते हुए जमीनों की अवैध खरीद-फरोख्त का आरोप लगाया। वहीं लालढांग निवासी सुमन देवी ने खेत में बस्ती का गंदा पानी आने की शिकायत दर्ज कराई। अपर जिलाधिकारी एफआर चौहान ने सभी मामलों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए और जनजातीय दस्तावेजों से संबंधित प्रकरण में विशेष जांच कराने की बात कही। शिविर में पहुंचीं हरिद्वार ग्रामीण विधायक अनुपमा रावत ने कहा कि सरकार को शिविरों में प्राप्त शिकायतों पर गंभीरता से ध्यान देते हुए समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करना चाहिए। उप वन प्रभागीय अधिकारी पूनम कैंथोला ने वन विभाग से जुड़ी शिकायतों के समाधान के लिए रेंज अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ तीर्थ पुरोहित स्व. श्रीनिवास पोस्ती को दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

रुद्रप्रयाग। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बद्री-केदार मंदिर समिति के सदस्य व वरिष्ठ तीर्थ पुरोहित स्व. श्रीनिवास पोस्ती के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बद्री-केदार मंदिर समिति के सदस्य एवं वरिष्ठ तीर्थ पुरोहित स्व. श्रीनिवास पोस्ती के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। मुख्यमंत्री गुप्तकाशी स्थित उनके आवास पहुँचे, दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की और शोकाकुल परिजनों से भेंट कर अपनी संवेदनाएँ व्यक्त कीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व. श्रीनिवास पोस्ती का जीवन तीर्थ परंपराओं के संरक्षण और श्रद्धालुओं की सेवा के लिए पूर्णतः समर्पित रहा। उनका सेवाभाव, आस्था और सादगी समाज के लिए प्रेरणास्रोत है, जिसकी स्मृतियाँ सदैव जीवित रहेंगी।

समिति ने बार एसोसिएशन के विजयी पदाधिकारियों को दी शुभकामनाएं

संवाददाता

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल व महासचिव आरिफ वारसी ने बार एसोसिएशन के विजयी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी। आज यहां नेताजी संघर्ष समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी और राज्य आंदोलनकारी प्रदीप कुकरेती ने एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए गत दिवस देहरादून बार एसोसिएशन के चुनाव में विजय हुए अनिल शर्मा और अजय बिष्ट सहित सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं हैं। उन्होंने कहा है कि नवनिर्वाचित पदाधिकारी अपने पद की गरिमा के अनुसार कार्य करेंगे साथ ही अनावश्यक हड़तालों पर रोक लगाएंगे वाद कारों की सहायता भी करेंगे। डंडरियाल, वारसी और कुकरेती ने नव निर्वाचित बार एसोसिएशन से उम्मीद जताई है कि वह सरकार से सहयोग लेकर चैंबर को भी बनवाने का कार्य करेंगे।

स्मैक के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून।। पुलिस ने स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिकेश कोतवाली पुलिस ने रेलवे ट्रेक के पास एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 9.51 ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम अनूप कुडियाल पुत्र शूरवीर कुडियाल निवासी गढी मयचक श्यामपुर बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

शराब तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

नैनीताल। शराब तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से 78 पाउच कच्ची शराब बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज कोतवाली लालकुंआ पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चलाया हुआ था। इस दौरान पुलिस को एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 78 पाउच कच्ची शराब बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम आनन्द सक्सेना पुत्र जगदीश सक्सेना निवासी बेरीपडाव गौलागेट खडकपुर कोतवाली लालकुंआ, जनपद नैनीताल बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी गयी है।

स्वच्छ देहरादून, सशक्त महिलाएंः नगर निगम की पहल से बदली तस्वीर

संवाददाता

देहरादून। नगर निगम ने शहर के 100 वार्डों में से 57 वार्डों में कूड़ा शुल्क संग्रहण की जिम्मेदारी महिला स्वयं सहायता समूहों को सौंपी है।

आज यहां राजधानी देहरादून में स्वच्छता प्रबंधन के क्षेत्र में एक अभिनव पहल ने सफलता की नई मिसाल प्रस्तुत की है। नगर निगम देहरादून द्वारा राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत पंजीकृत महिला स्वयं सहायता समूहों के सहयोग से संचालित घर-घर कूड़ा संग्रहण शुल्क अभियान ने न केवल सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ किया है, बल्कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। नगर निगम ने शहर के 100 वार्डों में से 57 वार्डों में कूड़ा शुल्क संग्रहण की जिम्मेदारी महिला स्वयं सहायता समूहों को सौंपी है। इन समूहों द्वारा त्रैमासिक (प्रत्येक तीन माह) आधार पर घर-घर जाकर निर्धारित शुल्क का संग्रहण किया जा रहा है। अभियान के प्रारंभिक चरण में ही जुलाई, अगस्त और सितंबर माह के दौरान 63 लाख रुपये से अधिक की राजस्व प्राप्ति दर्ज की गई है।

इस पहल की विशेषता यह है कि कुल प्राप्त मुनाफे का 25 प्रतिशत भाग सीधे संबंधित महिला समूहों को प्रदान

निगम के 100 में से 57 वार्डों में महिला समूह को सौंपी गई कमान

किया जा रहा है। इससे महिलाओं को स्थायी आय का स्रोत मिला है तथा वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं। यह व्यवस्था न केवल पारदर्शी और व्यवस्थित है, बल्कि इससे नगर निगम की कार्यप्रणाली में भी सुधार आया है। महिला समूहों द्वारा शुल्क संग्रहण के साथ-साथ नागरिकों से फीडबैक भी लिया जा रहा है, जिससे सफाई व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं उत्तरदायी बनाया जा रहा है। इस समन्वित प्रयास से शहर की स्वच्छता व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। वार्ड संख्या 64, नेहरूग्राम की समूह सदस्य सीमा बिष्ट ने इस पहल के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं नगर निगम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस योजना से उनके जैसी अनेक महिलाओं को रोजगार का सशक्त अवसर प्राप्त हुआ है। नगर निगम आयुक्त नमामि बंसल ने बताया कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन से संबद्ध महिला समूहों को कूड़ा उठान शुल्क संग्रहण का दायित्व सौंपा गया है। समूहों द्वारा निर्धारित समय में प्रभावी शुल्क संग्रहण कर निगम को उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे राजस्व में वृद्धि के साथ कार्य प्रणाली में भी सुधार हुआ है। सहायक नगर आयुक्त राजवीर सिंह चौहान ने जानकारी दी कि त्रैमासिक प्रणाली के तहत तीन माह का शुल्क एकमुश्त संग्रहित किया जा रहा है। अब तक 63 लाख रुपये की प्राप्ति हो चुकी है, जिसमें से 25 प्रतिशत राशि महिला समूहों को प्रदान की जाएगी। यह अभिनव मॉडल स्वच्छता, पारदर्शिता और महिला सशक्तिकरण का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरा है। इस पहल ने न केवल देहरादून को अधिक स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित बनाने में योगदान दिया है, बल्कि महिलाओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त आधार भी प्रदान किया है।

मकान का ताला तोड हजारों की नगदी व सामान चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मकान का ताला तोडकर वहां से हजारों की नगदी व सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नालापानी रोड निवासी देवेन्द्र मुखर्जी ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह परिवार के साथ बाहर गया था। आज जब वह वापस आया तो उसने देखा कि उसके मकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उसके यहां से 15 हजार रूपये नगद डिनर सैट का बाक्स, मोबाइल फान व एक जोडी जूते चोरी करके ले गये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

ऑपरेशन स्माइलः गुमशुदाओं की तलाश व पुनर्वास हेतु संयुक्त कार्यशाला आयोजित

संवाददाता

चम्पावत। ऑपरेशनल स्माइल के तहत गुमशुदाओं की तलाश व पुनर्वास हेतु संयुक्त कार्यशाला का आयोजन किया गया।

आज यहां अपर पुलिस महानिदेशक, अपराध एवं कानून व्यवस्था, उत्तराखण्ड, देहरादून के आदेशानुसार गुमशुदा बच्चों, महिलाओं एवं पुरुषों की शीघ्र तलाश, पहचान एवं पुनर्वास सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 18 फरवरी 2026 से आगामी 02 माह तक विशेष अभियान "ऑपरेशन स्माइल" संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में रेखा यादव, पुलिस अधीक्षक चम्पावत के निर्देशानुसार वंदना वर्मा, क्षेत्राधिकारी टनकपुर/चम्पावत की मौजूदगी में पुलिस लाइन चम्पावत के सभागार में विभिन्न विभागों बाल विकास, समाज कल्याण, श्रम विभाग, बाल कल्याण समिति, भविष्य निधि विभाग, एएचटीयू तथा रीड्स संस्था बनबसा के साथ संयुक्त रूप से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य

गुमशुदा व्यक्तियों की खोज, समन्वय एवं त्वरित पुनर्वास के लिए विभागों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करना रहा। कार्यशाला के प्रमुख गुमशुदाओं का डेटा अपडेट कर डीसीआरबी से मिलान करना। फोटो सहित पूर्ण विवरण ऑपरेशन स्माइल टीम को उपलब्ध कराना। गुमशुदाओं की बरामदगी में सभी विभागों का सहयोग। परिजनों से व्यक्तिगत/फोन पर सत्यापन। प्रदेश व सीमावर्ती राज्यों के अज्ञात शवों से अनिवार्य मिलान। सोशल मीडिया एवं आधुनिक तकनीक का अधिकतम उपयोग। अन्य जनपदों के गुमशुदाओं की तलाश में भी प्रयास। महिलाओं व बच्चों से संवेदनशील एवं नियमानुसार पूछताछ। बरामद बच्चों को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत करना। किसी अपराध की पुष्टि होने पर कठोर वैधानिक कार्यवाही विषयों पर चर्चा की गयी। चम्पावत पुलिस आमजन से अपील करती है कि किसी भी गुमशुदा व्यक्ति की सूचना तत्काल पुलिस को उपलब्ध कराएं, जिससे शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

'सरकारी विद्यालय भी निजी विद्यालयों की भांति आधुनिक शिक्षा से जुड़ेंगे'

स्मार्ट क्लास के लिये क्रय किए गए 880 स्मार्ट टीवी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री के निर्देशन में जिला प्रशासन, देहरादून द्वारा विद्यालयी शिक्षा को आधुनिक, तकनीकी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। जनपद के सरकारी विद्यालयों में स्मार्ट क्लास सुविधा विकसित करने के उद्देश्य से कुल 880 स्मार्ट टीवी क्रय किए गए हैं, जिनके माध्यम से विद्यार्थियों को डिजिटल, इंटरएक्टिव एवं दृश्य-आधारित शिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे जिले के अपने सरकारी विद्यालय भी निजी विद्यालयों की भांति आधुनिक शिक्षा से जुड़ेंगें। जिला प्रशासन द्वारा जिले में पिछले ढेड वर्ष से सरकारी विद्यालयों को प्रोजेक्ट ''उत्कर्ष'' के तहत सुविधा सम्पन्न बनाया जा रहा है। सभी विद्यालयों को फर्नीचरयुक्त कर दिया है तथा विद्यालयों में खेल अवस्थापना सुविधा, शौचालय, विद्युत, पेयजल, मंकीनेट, लाईब्रेरी आदि समुचित व्यवस्थाएं की गई है। जिलाधिकारी सविन बसंल के निर्देशानुसार क्रय की गई सामग्री की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए प्री-डिस्पेच इंस्पेक्शन (पीडीआई) कराया जाएगा। इसके अंतर्गत जिला सूचना विज्ञान अधिकारी तथा मुख्य शिक्षा अधिकारी स्वयं कंपनी के विनिर्माण स्थल पर जाकर उपकरणों का भौतिक निरीक्षण करेंगे। इस क्रम में संबंधित अधिकारी कंपनी के प्रतिष्ठान, पांडिचेरी में स्मार्ट टीवी की गुणवत्ता, तकनीकी मानकों, सुरक्षा प्रावधानों तथा निर्धारित विनिर्देशों के अनुरूपता की विस्तृत जांच करेंगे। निरीक्षण में संतोषजनक पाए जाने के पश्चात ही सामग्री को जनपद में भेजने की अनुमति प्रदान की जाएगी। जिला प्रशासन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि विद्यालयों को उच्च गुणवत्ता वाले उपकरण प्राप्त हों और सार्वजनिक धन का उपयोग पारदर्शी एवं जवाबदेही के साथ किया जाए।

जिला प्रशासन के इस प्रयासों से सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों को आधुनिक डिजिटल सामग्री से सीखने का अवसर मिलेगा, शिक्षण प्रक्रिया अधिक रोचक, प्रभावी एवं सहभागितापूर्ण बनेगी, शिक्षकों को ऑडियो-विजुअल माध्यम से पढ़ाने में सुविधा होगी, ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यालय भी तकनीकी रूप से सशक्त होंगे, जिला प्रशासन, देहरादून शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं नवाचार को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। स्मार्ट क्लास परियोजना से जनपद के हजारों विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षण संसाधनों का लाभ प्राप्त होगा तथा भविष्य की डिजिटल शिक्षा प्रणाली के लिए मजबूत आधार तैयार होगा। उपकरणों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए प्री-डिस्पेच इंस्पेक्शन (पीडीआई) कराया जाएगा।

सीएम धामी ने किया कुम्भ मेला 2027 के लिए 34 प्रमुख अवसंरचना कार्यों का शिलान्यास

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कुंभ मेला 2027 की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए हरिद्वार पहुंचे और 34 प्रमुख अवसंरचना कार्यो का शिलान्यास किया।

आज यहां कुम्भ मेला नियंत्रण भवन (सीसीआर) पहुंचने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कुम्भ मेला 2027 के लिए राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत 34 प्रमुख अवसंरचना कार्यों का शिलान्यास किया। 234.55 करोड़ रूपये की लागत के इन स्थाई प्रवृत्ति के कार्यों का उद्देश्य कुंभ मेले के सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आयोजन के साथ-साथ हरिद्वार शहर के दीर्घकालीन विकास को सुदृढ़ करना है। शिलान्यास किये गए कार्यों का सेक्टरवार सारांश निम्नानुसार घाट निर्माण एवं सिंचाई अवसंरचना के कुल 07 कार्य लागत 70.54 करोड रूपये, सड़क एवं परिवहन अवसंरचना के कुल 12 कार्य लागत 127.23 करोड़ रूपये, पेयजल एवं जल आपूर्ति अवसंरचना के कुल 09 कार्य लागत 18.11 करोड़ रूपये, श्रद्धालु सुविधाएँ एवं सहायक अवसंरचना के कुल 06 कार्य लागत 18.67 करोड रूपये स्वीकृत किये। मुख्यमंत्री द्वारा सीसीआर भवन में मेले की तैयारियों की समीक्षा को लेकर एक उच्च स्तरीय बैठक ली जा रही है।

यूनिवर्सिटी कैम्पस में शराब की होम डिलीवरी का प्रचारक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। यूनिवर्सिटी कैम्पस में शराब की होम डिलीवरी का प्रचार करने वाले एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना पन्तनगर पुलिस को सूचना मिली कि पन्तनगर यूनिवर्सिटी कैम्पस में समाचार पत्रों के अंदर आपत्तिजनक कार्ड वितरित किए गये है। कार्ड पर अंग्रेजी में शराब की होम डिलीवरी की पेशकश की गयी थी। जिससे परिसर में शराब व अन्य मादक पदार्थों की होम डिलीवरी की आशंका बनी। विश्वविद्यालय प्रशासन एवं स्थानीय लोगों द्वारा रोष व्यक्त करते हुए पुलिस से तत्काल कार्रवाई की मांग की गई। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम गठित कर जांच प्रारंभ की गई। जांच के दौरान देवाशीष विश्वास पुत्र रविन्द्र विश्वास निवासी ग्राम टैगोर नगर शक्तिफार्म, थाना सितारगंज, जनपद ऊधमसिंहनगर द्वारा उक्त कार्ड अखबारों में डालकर वितरित किया जाना पाया गया। जिस पर पुलिस टीम द्वारा तत्परता से आरोपी को गिरफ्तार किया गया। जिसे न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

चोरी के वाहन के साथ चोर गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चोरी के वाहन के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

मिली जानकारी के अनुसार भगवती प्रसाद पुत्र स्व. ऋषिराम निवासी गुजरोवाली थाना रायपुर, देहरादून द्वारा थाना डोईवाला पर आकर तहरीर दी गयी कि उनकी मोटरसाईकिल मियांवाला चौक से अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ली गयी है। वादी द्वारा दी गयी तहरीर के आधार पर कोतवाली डोईवाला पर मुकदमा दर्ज किया गया। घटना के खुलासे तथा गिरफ्तारी हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून दिए गए निर्देशों पर कोतवाली डोईवाला पर पुलिस टीम गठित की गई। गठित टीम द्वारा घटनास्थल व उसके आस पास आने जाने वाले रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों को चैक किया गया तथा घटना के सम्बंध में सुरागरसी/पतारसी करते हुए आवश्यक जानकारियां एकत्रित कर स्थानीय तंत्र को सक्रिय किया गया, साथ ही पूर्व में वाहन चोरी की घटनाओ में प्रकाश में आये आरोपियों का भौतिक सत्यापन करते हुए उनकी वर्तमान स्थिति की जानकारी प्राप्त कर उनका भौतिक सत्यापन किया गया। पुलिस द्वारा लगातार किये जा रहे प्रयासों से सूचना पर गत रात्रि मे पुलिस टीम द्वारा चौकी गेट हर्रावाला बैरियर पर चैकिंग के दौरान अर्जुन थापा को घटना में चोरी की गयी मोटरसाईकिल के साथ गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसके द्वारा बताया गया कि वह नशे का आदी हैं तथा अपने नशे की आवश्यकताओ की पूर्ति के लिये उसके द्वारा उक्त चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था। उक्त चोरी की मोटर साइकिल को बेचने की फिराक में था पर उससे पूर्व ही पुलिस द्वारा उसें गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

बुजुर्ग महिला की हत्या का खुलासा, भतीजा गिरफ्तार

❑पैसों के लालच में की थी बुजुर्ग ताई की हत्या

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। रिश्तों को कलंकित करने वाली एक घटना खटीमा में सामने आयी है। यहां पैसों के लालच में एक व्यक्ति द्वारा अपनी ताई की ही हत्या कर दी गयी। हालांकि मामले का मात्र 72 घंटो में खुलासा करते हुए पुलिस ने हत्यारोपी भतीजे को गिरफ्तार कर लिया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति ने बताया कि बीती 18 फरवरी को देर रात कोतवाली खटीमा पुलिस को सूचना मिली कि सितारगंज रोड स्थित देवभूमि धर्मशाला कॉलोनी स्थित एक मकान के भीतर वृद्ध महिला जानकी चंद का शव खून से लथपथ अवस्था में पड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान मृतका के भतीजे रवि चंद पुत्र स्व. जगदीश चंद निवासी आदर्श कॉलोनी, डिग्री कॉलेज रोड, खटीमा का नाम प्रकाश में आया। जिस पर पुलिस ने एक सूचना के बाद आरोपी रवि चंद को झनकट क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया गया।

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह हरियाणा के नांगल कस्बे में एक फैक्ट्री में मजदूरी करता है। 17 फरवरी की शाम वह पैसों की आवश्यकता के चलते मुंह पर मफलर बांधकर अपनी ताई के घर पहुंचा, उनके साथ भोजन किया तथा अवसर पाकर मफलर से उनका मुंह और गला दबा दिया। संघर्ष के दौरान वृद्धा मुंह के बल फर्श पर गिर गई जिससे उनके नाक-मुंह से रक्तस्राव होने लगा। इसके बाद आरोपी ने अलमारी से एक पर्स निकाल लिया, जिसमें नकदी एवं अन्य सामान था। शक से बचने के लिए उसने मकान के बाहर ग्रिल पर ताला लगा दिया और दरवाजे की कुंडी बंद कर मौके से फरार हो गया।

पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर घटना से संबंधित माल बरामद कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।